पाठ - झाँसी की रानी

कार्यपत्रिका - 01

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. लॉर्ड डलहौजी झाँसी के राजा गंगाधर राव के निधन पर मन ही मन क्यों अत्यधिक प्रसन्न हुआ?

(क) क्योंकि वह रानी लक्ष्मीबाई को अंग्रेज़ों की महारानी बनाना चाहता था।

(ख) क्योंकि राजा निःसंतान मरे थे, और उसे अपनी 'हड़प नीति' (Doctrine of Lapse) के तहत झाँसी राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का स्वर्णिम अवसर मिल गया था।

(ग) क्योंकि वह झाँसी की कला और संस्कृति का बहुत बड़ा प्रेमी था।

(घ) क्योंकि वह ताँतिया टोपे को अंग्रेज़ों का सेनापति नियुक्त करना चाहता था।

प्रश्न 2. "चित्रा ने अर्जुन को पाया, / शिव से मिली भवानी थी" पंक्ति में उपमा और रूपक का प्रयोग करके कवयित्री ने किस ऐतिहासिक घटना को सुसज्जित किया है?

(क) लक्ष्मीबाई द्वारा अंग्रेज़ अधिकारी लेफ्टिनेंट वॉकर को युद्ध में ज़ख्मी करने की घटना को।

(ख) रानी लक्ष्मीबाई का झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ ऐतिहासिक और वैभवशाली विवाह होने की घटना को।

(ग) झलकारी बाई द्वारा छद्म वेश धारण करके अंग्रेज़ों को भ्रमित करने की चाल को।

(घ) नाना साहब धुंधूपंत द्वारा बिठूर में सेना को एकत्रित करने के महायज्ञ को।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason Questions):

- **कथन (A):** १८५७ की क्रांति में "महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी"।
- **कारण (R):** अंग्रेज़ों के क्रूर दमन और अपमान के विरुद्ध देश के अमीर (राजघराने) और गरीब (सामान्य वर्ग) दोनों वर्गों के अंतःकरण में स्वतंत्रता की तीव्र चिनगारी एकजुट होकर फूटी थी।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. पाठ की ऐतिहासिक वीरांगनाओं और पात्रों का उनके सही शौर्य कार्यों के साथ उचित मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क'
(1) रानी लक्ष्मीबाई
(2) झलकारी बाई
(3) काना और मंदरा
(4) नाना धुंधूपंत

स्तंभ 'ख' (१८५७ की क्रांति में उनका मुख्य अवदान)
(अ) रानी की महिला सेना 'दुर्गा दल' का नेतृत्व और अंग्रेज़ों से भीषण युद्ध
(ब) अंग्रेज़ों से युद्ध करते हुए ग्वालियर और कालपी पर शौर्यपूर्ण अधिकार
(स) रणचंडी का आह्वान करके बिठूर में युद्ध-सामग्री एकत्रित करना
(द) रानी की सखियाँ जिन्होंने युद्धक्षेत्र में अंग्रेज़ों के बीच भारी मारकाट मचाई

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. सुभद्रा कुमारी चौहान को उनके सुप्रसिद्ध कविता संग्रह 'मुकुल' के लिए किस राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

उत्तर - ....

....

....

egyanarchive

प्रश्न 6. अंग्रेज़ों के अखबारों में 'नागपूर के ज़ेवर ले लो, लखनऊ के लो नौलख हार' छापना भारतीय राजाओं के किस स्थिति की ओर संकेत करता है?

उत्तर - ....

....

....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. "किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई" पंक्ति के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि झाँसी के महलों में अचानक अंधकार क्यों छा गया था?

उत्तर - ....

....

....

प्रश्न 8. युद्ध के मैदान में रानी लक्ष्मीबाई की तलवारबाज़ी का सामना करने के बाद अंग्रेज़ अधिकारी लेफ्टिनेंट वॉकर की क्या दुर्दशा हुई थी?

उत्तर - ....

....

....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 9. "स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती, उसके लिए बार-बार संगठित होकर हर परिस्थिति में संघर्ष करना पड़ता है।" 'झाँसी की रानी' कविता में वर्णित लक्ष्मीबाई के बचपन, विवाह, वैधव्य और अंततः वीरगति के घटनाक्रम के आलोक में इस कथन की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. पाठ में ७ वर्षीय छत्तीसगढ़ की बालिका 'कांति' के अदम्य साहस का उल्लेख है जिसने अपनी बहन को हाथियों के हमले से बचाया। इस घटना से सीख लेते हुए, आज के छात्रों में 'आकस्मिक संकट के समय निर्भीकता, त्वरित सूझबूझ और भाई-बहन के प्रति समर्पण' की भावना विकसित करने के लिए एक ५ सूत्रीय व्यावहारिक कार्य-योजना (Action Plan) तैयार कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ख) क्योंकि राजा निःसंतान मरे थे, और उसे अपनी 'हड़प नीति' के तहत झाँसी राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का स्वर्णिम अवसर मिल गया था।
2. **उत्तर:** (ख) रानी लक्ष्मीबाई का झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ ऐतिहासिक और वैभवशाली विवाह होने की घटना को।
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (ब), (2) -> (अ), (3) -> (द), (4) -> (स)।
5. **उत्तर:** उन्हें सुप्रसिद्ध **'सेकसरिया पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया था।
6. **उत्तर:** यह अंग्रेज़ों द्वारा भारतीय राजाओं को पूरी तरह हड़प लेने के बाद उनके राजमहलों की बहुमूल्य निजी संपत्तियों, रानियों के गहनों और इज़्ज़त को सरेआम नीलाम करके उनके आत्मसम्मान को आहत करने की क्रूर स्थिति की ओर संकेत करता है।
7. **उत्तर:** क्योंकि झाँसी के ऐश्वर्यशाली राजा गंगाधर राव की अचानक असमय मृत्यु हो गई थी। राजा जी पूर्णतः निःसंतान मरे थे, जिसके कारण रानी लक्ष्मीबाई कम उम्र में ही विधवा हो गईं और झाँसी के उत्तराधिकार पर अंग्रेज़ों का काला संकट मँडराने लगा था।
8. **उत्तर:** लेफ्टिनेंट वॉकर अंग्रेज़ी सेना के साथ आगे बढ़ा था, परंतु जब रानी ने तलवार खींचकर उस पर प्रहार किया, तो वह बुरी तरह ज़ख्मी (घायल) होकर मैदान छोड़कर भाग गया। उसे एक भारतीय महिला की इस असाधारण वीरता पर अजब (आश्चर्यजनक) हैरानी थी।
9. **उत्तर:** कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने दर्शाया है कि आज़ादी के लिए अनवरत त्याग की आवश्यकता होती है। लक्ष्मीबाई ने बचपन से ही गुड़ियों के खेल छोड़कर तलवारबाज़ी, व्यूह-रचना और किले तोड़ने का कठिन अभ्यास किया। विवाह के तुरंत बाद पति के निधन और वैधव्य के भयंकर व्यक्तिगत दुख को सहते हुए भी वे कमज़ोर नहीं पड़ीं। जब डलहौजी ने झाँसी पर कब्ज़ा किया, तो उन्होंने स्वाभिमान के साथ तलवार खींची, कालपी तक सौ मील की निरंतर कठिन यात्रा की, अपना घोड़ा खोया, पर हार नहीं मानी। अंत में दुश्मनों और नाले से घिर जाने पर भी वे वीर सिंहनी की तरह अंतिम साँस तक लड़कर शहीद हो गईं, जो यह सिद्ध करता है कि स्वतंत्रता की वेदी पर सर्वस्व न्योछावर करना पड़ता है।
10. **उत्तर: आकस्मिक संकट सामना छात्र कार्य-योजना (Action Plan):**
    - **1. मानसिक प्राथमिक प्रशिक्षण (Mock Drills):** विद्यालयों में समय-समय पर आग, भूकंप या जंगली जानवरों के अचानक हमले जैसी आकस्मिक आपदाओं से सुरक्षित निकलने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन करना।
    - **2. त्वरित निर्णय क्षमता का विकास:** छात्रों को साहसिक खेलों (जैसे- स्काउट एंड गाइड, एनसीसी) से जोड़ना, ताकि वे संकट के समय घबराने के बजाय शांत रहकर त्वरित सूझबूझ से सही कदम उठा सकें।
    - **3. प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) का ज्ञान:** संकट के समय अपने भाई-बहनों या मित्रों की जान बचाने के लिए बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा तकनीकों का ज्ञान होना अनिवार्य किया जाए।
    - **4. साहसिक कथाओं का वाचन (बाल-सभा):** बालिका कांति और झलकारी बाई जैसे असाधारण वीर बच्चों और महिलाओं के जीवंत प्रसंगों को सुबह की सभा में सुनाना ताकि छात्रों के भीतर सोया हुआ साहस जागृत हो सके।
    - **5. पारिवारिक सुरक्षा प्रतिज्ञा:** प्रत्येक छात्र को अपने छोटे भाई-बहनों और परिवार के प्रति अगाध आत्मीय जिम्मेदारी और निश्छल समर्पण की भावना रखने के लिए नैतिक रूप से प्रेरित करना।

egyanarchive

पाठ - झाँसी की रानी

कार्यपत्रिका – 02

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए:

"भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सन् 1857 की क्रांति एक ऐसा अविस्मरणीय और ओजपूर्ण अध्याय है जिसने अंग्रेज़ी हुकूमत की जड़ों को हिलाकर रख दिया था। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की कथात्मक कविता 'झाँसी की रानी' इसी देशप्रेम, अदम्य साहस और राष्ट्रीय चेतना की महागाथा है। लक्ष्मीबाई का चरित्र हमें यह सिखाता है कि आत्मसम्मान और स्वतंत्रता केवल पुरुषों का एकाधिकार नहीं है, बल्कि महिलाएँ भी अपनी दृढ़ता, नीति और सर्वोच्च कुर्बानी से इतिहास के गगन में ध्रुवतारे की भांति अमर रह सकती हैं। झलकारी बाई जैसी साधारण पृष्ठभूमि की महिलाओं का इस महायज्ञ में छद्म वेश धारण कर प्राण न्योछावर करना यह सिद्ध करता है कि जब महलों की आग और झोंपड़ियों की ज्वाला एक साथ मिलती है, तब स्वतंत्रता की चिनगारी को दुनिया का कोई भी क्रूर शासक दबा नहीं सकता।"

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, 'झाँसी की रानी' जैसी कथात्मक कविताओं का पाठकों के मन पर क्या मुख्य प्रभाव पड़ता है?

(क) यह पाठकों में अंग्रेज़ फिरंगियों के प्रति स्वाधीनता का भय उत्पन्न करती है।

(ख) यह पाठकों में वीरता, उत्साह, देशप्रेम की भावना जगाकर जोश और अदम्य साहस का संचार करती है।

(ग) यह केवल कलकत्ता के बाज़ारों में गहने और कपड़े नीलाम करने की विधि सिखाती है।

(घ) इसमें केवल प्राचीन समय-रेखा (टाइमलाइन) का शुष्क भौगोलिक विवरण मिलता है।

प्रश्न 2. "तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई"—इस काव्यात्मक पंक्ति में आए 'तीर' और 'कर' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस प्रकार के शब्द हैं?

(क) ये दोनों केवल पुनरुक्त शब्द-युग्म हैं।

(ख) ये संदर्भ के अनुसार अलग-अलग अर्थ देने वाले 'अनेकार्थी शब्द' हैं (तीर=बाण/किनारा, कर=हाथ/टैक्स).

(ग) ये पूर्णतः विस्मयादिबोधक अव्यय पद हैं।

(घ) ये दोनों तत्पुरुष समास के संख्यावाची पूर्वपद हैं।

प्रश्न 3. "डलहौजी ने पैर पसारे अब तो पलट गई काया"—इस पंक्ति में प्रयुक्त मुहावरे 'पैर पसारना' का क्या लाक्षणिक अर्थ है?

(क) युद्ध के मैदान में बुरी तरह घायल होकर ज़मीन पर गिर जाना।

(ख) अपने अधिकार, प्रभाव या साम्राज्य का कपटपूर्वक अनुचित विस्तार करना।

(ग) रात के समय रनिवासों में बैठकर गहरी चिंता में डूब जाना।

(घ) अपनी मातृभाषा में अंग्रेज़ों के साथ संधि करने की रस्म निभाना।

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 4. रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम क्या था और वे स्वयं को किस सुप्रसिद्ध मराठा वीर की गाथाओं के लिए तैयार करती थीं?

उत्तर - ....

....

....

egyanarchive

प्रश्न 5. पाठ के शब्द-संपदा के अनुसार 'अविनाशी' और 'सन्मुख' शब्दों के प्रामाणिक अर्थ लिखिए।

उत्तर - ....

....

....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 6. झलकारी बाई ने रानी लक्ष्मीबाई की रक्षा करने और अंग्रेज़ सेनापति ह्यूरोज़ को भ्रमित करने के लिए कौन सी चतुर चाल चली थी?

उत्तर - ....

....

....

....

प्रश्न 7. "महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी"—इस पंक्ति में छिपे हुए गहरे सामाजिक-सांस्कृतिक संदेश का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 8. "घायल होकर गिरी सिंहनी उसे वीर-गति पानी थी"। अंत में नाले के सामने नया घोड़ा अड़ जाने पर रानी लक्ष्मीबाई किस प्रकार दुश्मनों के चक्रव्यूह से घिर गईं और उनकी शहादत की क्या गौरवमयी विशेषता थी? सविस्तार उत्तर लिखिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 9. "यह कविता जिस समय लिखी गई है, उसमें युद्ध पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था, पर आज महिलाएँ दमकल केंद्र, रेल चालक और विज्ञान-तकनीक (ISRO) जैसे हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं"। आधुनिक समाज में 'महिला सशक्तिकरण' (Women Empowerment) को बढ़ावा देने और रूढ़िवादी संकीर्ण सोच को पूरी तरह मिटाने के लिए आप एक प्रबुद्ध छात्र के नाते क्या ५ रचनात्मक उपाय सुझाएँगे?

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. **उत्तर:** (ख) यह पाठकों में वीरता, उत्साह, देशप्रेम की भावना जगाकर जोश और अदम्य साहस का संचार करती है।
2. **उत्तर:** (ख) ये संदर्भ के अनुसार अलग-अलग अर्थ देने वाले 'अनेकार्थी शब्द' हैं।
3. **उत्तर:** (ख) अपने अधिकार, प्रभाव या साम्राज्य का कपटपूर्वक अनुचित विस्तार करना।
4. **उत्तर:** उनका नाम **लक्ष्मीबाई (लाड़ का नाम- छबीली)** था और उन्हें **वीर शिवाजी की गाथाएँ** ज़बानी याद थीं।
5. **उत्तर:** * **अविनाशी:** नाशरहित, नित्य या अक्षय।
    - **सन्मुख:** सम्मुख, जो ठीक सामने हो या मुकाबला करने वाला हो।
6. **उत्तर:** झलकारी बाई का चेहरा और शारीरिक गठन हुबहू रानी लक्ष्मीबाई से मिलता था। उन्होंने अंग्रेज़ों को भ्रमित रखने के लिए स्वयं **रानी लक्ष्मीबाई का वेश धारण किया** और मुख्य सेना की कमान सँभाली, ताकि असली रानी अपने छोटे बच्चे के साथ सुरक्षित किले से बाहर भाग सकें।
7. **उत्तर:** यह पंक्ति समाज के सभी अमीर-गरीब वर्गों की राष्ट्रीय एकता को दर्शाती है। संदेश यह है कि स्वतंत्रता की लड़ाई किसी एक राजा का निजी स्वार्थ नहीं थी; जब तक महलों का धन (आग) और आम जनता का अटूट श्रम (झोंपड़ी की ज्वाला) एक साथ नहीं मिलते, तब तक विदेशी दमनकारियों के विरुद्ध कोई भी राष्ट्रव्यापी क्रांति सफल नहीं हो सकती।
8. **उत्तर:** ग्वालियर पर अधिकार करने के बाद जब अंग्रेज़ों की सेना ने रानी को दोबारा घेरा, तो वे दुश्मनों को काटती हुई आगे बढ़ गईं। परंतु अचानक सामने एक गहरा नाला आ गया। उनका पुराना वफ़ादार घोड़ा मर चुका था और यह नया घोड़ा नाले के सामने अड़ गया। इस रुकावट के कारण अंग्रेज़ घुड़सवारों ने उन्हें पीछे से घेर लिया। रानी अकेली थीं और शत्रु सैकड़ों की संख्या में थे; उन पर चारों ओर से भीषण प्रहार होने लगे। अंततः वह घायल होकर सिंहनी की तरह ज़मीन पर गिर पड़ीं और वीरगति को प्राप्त हुईं। उनकी शहादत की विशेषता यह थी कि मात्र तेईस वर्ष की उम्र में उनका पवित्र तेज ईश्वर में विलीन हो गया और वे स्वयं एक अमिट, अमर और अखंड राष्ट्रीय निशानी बन गईं।
9. **उत्तर (महिला सशक्तिकरण हेतु ५ रचनात्मक उपाय):**
    - **1. शिक्षा में समानता:** प्रत्येक बालिका को बिना किसी सामाजिक भेदभाव के उच्च तकनीकी, वैज्ञानिक और प्रबंधन की शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना।
    - **2. शारीरिक व आत्मरक्षा प्रशिक्षण:** विद्यालयों में छात्राओं के लिए लक्ष्मीबाई और झलकारी बाई की तर्ज पर जूडो-कराटे, तीरंदाज़ी और आत्मरक्षा का अनिवार्य कड़ा प्रशिक्षण लागू करना।
    - **3. संकीर्ण रूढ़ियों का खंडन (जागरूकता):** समाज में फैली इस दकियानूसी सोच का पुरज़ोर विरोध करना कि कुछ कठिन कार्यक्षेत्र (जैसे दमकल केंद्र, रक्षा सेनाएँ) केवल पुरुषों के लिए हैं।
    - **4. नेतृत्व के समान अवसर:** बाल-सभा, खेलकूद और प्रशासनिक कमेटियों में छात्राओं को मुख्य कमांडर या लीडर बनने के लिए समान रूप से प्रोत्साहित करना।
    - **5. प्रेरक नारी-इतिहास का प्रचार:** अपनी पाठ्यपुस्तकों की महान वीरांगनाओं के चरित्र पर कोलाज, पोस्टर और नाटक बनाकर समाज को महिलाओं की अदम्य प्रशासनिक और साहसिक क्षमता के प्रति संवेदनशील बनाना।

egyanarchive